# मूल्य संवर्द्धन डेयरी उत्पादों में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

युवा लोगों को आय के स्रोत के रूप में पशुपालन अपनाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए राजुवास द्वारा 2 माह की अवधि के कुछ सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों का प्रारूप तैयार किया गया। यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात इच्छुक लाभार्थियों को उन्नत ज्ञान हासिल करने का अवसर प्राप्त होगा। इन सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों का प्रारूप ऐसा है कि यदि कोई भी व्यक्ति इन्हें सफलतापूर्वक पूर्ण कर ले तो स्वयं का फार्म स्थापित करने में सक्षम होगा। वह व्यक्ति जो आठवीं स्तर तक शिक्षित हैं, इन पाठ्यक्रमों हेतु नामाकन के लिए पात्र होगा।

1 **पाठ्यक्रम का नाम** – मूल्य संवर्द्धन डेयरी उत्पादों में प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम

2 **उद्देश्य** – निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ इस पाठ्यक्रम का प्रयोजन उद्देश्य ऐसे उद्यमियों को विकसित करना है जो वैज्ञानिक दृष्टि से फार्म अथवा इकाई की स्थापना एवं प्रबंधन कर सकें।

   **अ.** युवा किसानों तथा उद्यमियों की दक्षता वृद्धि

   **ब.** युवा लोगों को आय के स्रोत के रूप में पशुपालन अपनाने हेतु प्रोत्साहित करना

   **स.** पशुपालन कार्यक्रम के प्रति युवाओं की रूचि बढाना

   **द.** प्रतिभागियों को वैज्ञानिक तथा संगठित फार्म से सम्बंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना

3 **प्रवेश योग्यता** – मान्यता प्राप्त बोर्ड द्वारा आठवीं कक्षा उतीर्ण अथवा समकक्ष

4 **समय अवधि** – दो माह।

5 **न्यूनतम सीट** – 5 (आवश्यकतानुसार परिवर्तित किया जा सकता है)

6 **शुल्क राशि** – 1000/– रू. प्रतिमाह

7 **पाठयक्रम का माध्यम** – हिन्दी

8 **परीक्षा की विधि** – संबंधित केन्द्रों पर सामान्य परीक्षा लेकर प्रशिक्षणार्थी की योग्यता जांच की जायेगी, सफल प्रशिक्षणार्थी को पाठ्यक्रम समाप्ति पर प्रमाणपत्र वितरित किये जायेगें।

9 **प्रवेश प्रक्रिया**– विश्वविद्यालय द्वारा समाचार पत्रों, विश्वविद्यालय के प्रकाशनों, धीणे री बात्यां रेडियो कार्यक्रम व विश्वविद्यालय वेबसाइट के माध्यम से इन पाठ्यक्रमों की सूचना दी जाएगी तथा प्रत्येक पाठ्यक्रम में न्यूनतम पाँच आवेदन प्राप्त होने पर उनका पाठ्यक्रम अनुदेशक से मूल्यांकन करवा कर पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया जायेगा।

10 **अनुशासन नियमावली** – विश्वविद्यालय के नियमानुसार।

11 **संपर्क सूत्र** – प्रो. बंसत बैस, आचार्य, पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग,
डॉ. अनुराग पाण्डे, सहायक आचार्य, पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग,
वेटरनरी कॉलेज मो. 9772440828, बीकानेर

**12 पाठ्यक्रम** – निम्नानुसार

**सैद्धांतिक पाठ्यक्रम**

1. प्रस्तावना और विभिन्न मानयोजित डेयरी उत्पादों की व्यापकता
2. मूल्य संवर्द्धन डेयरी उत्पादों का मानव पोषण में महत्व
3. दुग्ध और दुग्ध उत्पादों का गुणवत्ता नियंत्रण
4. डेयरी उत्पादों के विनिर्माण हेतु दूध का स्वच्छ उत्पादन, भंडारण और प्रसंस्करण
5. विभिन्न डेयरी उत्पादों का उत्पादन
   - अ. मक्खन का उत्पादन
   - ब. घी का उत्पादन
   - स. खोआ का उत्पादन
   - द. दही निर्माण
   - य. लस्सी का उत्पादन
   - र. पनीर का उत्पादन
   - ल. व्यावहारिक पाठ्यक्रम

**<u>प्रायोगिक</u>**

1. दूध का प्रतिचयन
2. दूध में वसा, एस.एन.एफ. तथा कुल ठोस का आंकलन
3. दूध में मिलावट का पता लगाना
4. मूल्य संवर्द्धन डेयरी उत्पादों जैसे दही, मक्खन, घी लस्सी, मट्ठा, खोआ, आदि का उत्पादन,
5. मूल्य संवर्द्धन डेयरी उत्पादों का संवेष्टन
6. डेयरी संयंत्र का भ्रमण